

डायरेक्टर की कलम से....

माना अंधेरा धना है पर दीया जलाना कहाँ मना है.... हर इंसान के जीवन में किसी ना किसी तरह की समस्या होती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की समस्या कभी खत्म ही नहीं होगी। बार-बार गिरना हार नहीं लेकिन हार अपना लेने से बड़ी कोई गलती नहीं। हर असफलता आपको कुछ ना कुछ सीखा कर जायेगी इसलिए कभी घबराएं नहीं क्योंकि जीवन में जीत से ज्यादा जीत की ज़िद मायने रखती है। एसआरजी हाउसिंग फाईनेंस ने यह ठाना है सबके घर का अधिकार पूरा हो और इसके लिए कम्पनी तीव्र गति से कार्य कर रही है।

SRG Housing Finance Ltd. has been awarded "Fastest Growing Housing Finance Company of the Year" by ET NOW BFSI Award



शालीनता से कर्स्टमर की केयर

किसी ने फाईनेंस में एमबीए किया हो, देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में फंड एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर कार्य किया हो उसके लिए किसी नये विभाग में काम करना आसान नहीं होता लेकिन ऐसी चुनौती को चमत्कार में बदल दिया है शालिनी करणपुरिया ने। शालिनी ने मुम्बई की आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी से एमबीए किया और एस एस एंड सी ग्लोब अप फाईनेंशियल सर्विसेज कम्पनी में जॉब करने लगी। शादी के बाद उदयपुर आने पर जॉब की तलाश थी, मार्केट में एसआरजी की तेज ग्रोथ रेट के बारे में पता चला, पद रिक्त होने पर इंटरव्यू दिया, प्रबंधन ने अनुभव को देखते हुए कर्स्टमर केयर एंड कॉल सेंटर विभाग की बागड़ोर हाथ में दी। शालिनी मजबूत हौसलों और नेक ईरादों के साथ खुद को साबित करने के लिए मेहनत में जुट गयी। जब कभी समस्या आयी तो प्रबंधन ने भी पूरा साथ दिया। आज इनके नेतृत्व में 10 से ज्यादा लोगों की टीम बखूबी अपने काम को अंजाम दे रही है। प्रतिदिन कर्स्टमर केयर विभाग में लोन की जानकारी, जाँच, सत्यापन, और रिकवरी से जुड़ी 400 से ज्यादा कॉल होती है, जिसमें ग्राहकों को संतोषप्रद जानकारी दी जाती है। सहकर्मियों का कहना है ये विकट परिस्थितियों में कभी घबराती नहीं है, कर्स्टमर को पूरी तरह से संतुष्ट करना इनका पहला लक्ष्य है और साथियों का उत्साहवर्धन करती हैं। शालिनी का कहना है एसआरजी में जो वर्क एनवायरमेंट उन्हें मिला है उसमें सहज रूप से काम कर पाती है, अपने विभाग से जुड़े निर्णय और कार्य की उन्हें पूरी स्वतंत्रता है।



हौसलों की उड़ान से छूलिया आसमान

किसी ने ठीक ही कहा है सपने वो नहीं होते जो आप सोते हुए देखते हैं सपने तो आपको सोने ही नहीं देते, कई लोग ऐसे होते हैं जो सपने को पूरा तो करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक संकट के कारण पीछे हट जाते हैं ऐसे हौसले और बड़े लक्ष्य को पूरा करने वालों की उड़ान में हमराही बनता है एसआरजी। नीमच के पास छोटे से गाँव खानखेड़ी में रहने वाले जगदीश नागदा, ऊँची सोच और एसआरजी से लोन लेकर खुद के व्यापार को और कई परिवारों को आर्थिक मजबूती देने के माध्यम बने हैं। वर्षों तक रेती की ठेकेदारी कर काम चला रहे जगदीश नागदा ने खुद का बिजनेस शुरू करने का विचार किया लेकिन बड़ी समस्या थी, धन की कमी। ग्रामीण क्षेत्र में व्यापार के विस्तार के लिए लोन मिलना आसान नहीं होता है ऐसे में शुरू में निराशा ही हाथ लगी। कहीं से एसआरजी के बारे में पता चलने पर उन्होंने सम्पर्क किया। कम्पनी ने उनके प्रोजेक्ट को देखा, सारे जरूरी कागज देखे, जगदीश नागदा के सपने पर भरोसा जताया और बिजनेस के लिए (LAP) लोन दिया। नागदा ने रेत को साफ करने और उच्च गुणवत्तायुक्त बनाने के लिए मशीन लगा ली। आज पूरे नीमच जिले में इनकी रेत की काफी मांग है। एसआरजी से लोन मिलने से रेती का स्वयं का बड़ा व्यापार हो गया साथ ही यहां काम करने वालों के परिवारों की आर्थिक निर्भरता भी बढ़ी है। जगदीश ने उद्यमिता और कल्पनाशीलता के दम पर नायक बनने की हिम्मत दिखाई है। शून्य से शुरू हुआ इनका सफर आज लोगों के लिए प्रेरणा बनता जा रहा है।



Health Awareness

आज के हाईटेक समय में सभी ऑफिसों में कम्प्यूटर या लेपटॉप पर काम होता है, पूरा दिन काम करने से आँखों और कमर पर दबाव पड़ता है अगर कार्य के दौरान सही तरीके से बैठा जाये तो कितनी भी देर काम किया जाये कोई नुकसान नहीं होगा।

- काम शुरू करने से पहले इस तरीके से बैठे कि कम्प्यूटर और आँखों के बीच कम से कम 18 से 30 इंच की दूरी हो।
- हर बीस मिनट में स्क्रीन से आँखों को हटा लिजिए करीब 20 सेकेंड तक इधर—उधर देखें।
- कम्प्यूटर पर कार्य करने के दौरान कमरे में उजाला रखें, अगर अंधेरा हुआ तो आँखों पर अधिक दबाव पड़ेगा।
- कम्प्यूटर की स्क्रीन अधिक ब्राईट नहीं रखें, फोटों सार्इज बहुत छोटी नहीं रखें।
- कम्प्यूटर, लेपटॉप, टेबलेट पर काम करने वाले या स्मार्ट फोन का उपयोग करने वालों को हर साल अपनी आँखों की जाँच करवा लेनी चाहिए।



Customer Connect

- हाऊसिंग लोन और उससे जुड़े तथ्यों पर आमजन में जानकारी का अभाव है। मार्केटिंग के साथ जागरूकता लाना आवश्यक हैं जो लोग इससे दूर हैं उन्हें जोड़ने का प्रयास करें।
- किसी को कंविन्स करने से बेहतर है उससे कनेक्ट हो जाएं।
- हर इंसान का सपना होता है खुद का घर हो ऐसे में सिर्फ लोन देना सफल मार्केटिंग नहीं है, घर की नींव से लेकर गृह प्रवेश तक आनी वाली हर समस्या में साथी बनना चाहिए। इसके बाद भी ग्राहक से जुड़े रहना और उसे संतुष्टि प्रदान करना जरूरी हैं।
- घर से लोनधारक का भावनात्मक जुड़ाव होता है इसलिए यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए कि अपनी तरफ से उन्हें कोई शिकायत नहीं हो और कोई समस्या आती है तो उसे सुलझाया जाए।
- लोन चाहने वाले से नियमों, दस्तावेजों और प्रक्रिया के बारे में पूरी बात साफ कर देनी चाहिए, उपभोक्ता को लोन से होने वाले फायदों के बारे में बताया जाए।
- ग्राहक को लोन और बाद में प्रभावी सेवा दी जानी चाहिए जिससे कि वह कार्य से प्रभावित होकर भविष्य में दूसरों को भी आपसे जुड़ने का सुझाव दे।



